संभव समाज सेवी संस्था पृथ्वीपुर, टीकमगढ म.प्र.

कार्यक्रम – भोजन का अधिकार

विषय – टीकमगढ़ जिले के बीजौर, देवरी बमनउ, देवरी कलरउ गॉवों मे थर्मल प्लांट स्थापित करने हेतु किसानों की जमीन के क्रय–विक्रय का मामला।

प्रभावित क्षेत्र की भौगोलिक, सामाजिक व आर्थिक स्थिति– ये गॉव पृथ्वीपुर ब्लॉक से उत्तर दिशा में 40 कि.मी. की दूरी पर उत्तर प्रदेश के झॉसी जिले की सीमा पर स्थिति है तथा अभी तक इस क्षेत्र तक पहुचने के लिये कच्चे रास्तों से होकर जाना पडता है क्यो कि यहॉ पक्की सड़कें नहीं हैं। तथा यहॉ के अधिकतर निवासी हरिजन, कुशवाह, राय,यादव व ब्राह्मण समुदाय के लोग है जो आजीविका हेतु पूर्णतः कृषि व मजदूरी पर निर्भर हैं। पानी पर्याप्त मात्रा मे होने के कारण यहॉ कृषि उत्पादन की स्थिति ठीक है।

शिक्षा,स्वास्थ्य की स्थिति– ब्लॉक मुख्यालय से दूरी पर होने के कारण यहॉ शिक्षा व स्वास्थ्य सेवा प्रदाता कम ही पहुचते हैं। जिसके कारण क्षेत्र में शिक्षा व स्वास्थ्य की स्थिति ठीक नहीं है।

विषय का विवरण– हमें जानकारी प्राप्त हुई कि टीकमगढ जिले के बीजौर, देवरी बमनउ, व देवरी कलरउ गॉवों के किसानों की जमीन किसी प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी द्वारा वहॉ थर्मल पावर प्लान्ट स्थापित करने हेतु खरीदी जारही है। इस बात की विस्तृत जानकारी प्राप्त करने हेतु सुखपाल सिंह, विजय सिंह व मैंन लगातार 3 दिन क्षेत्र की विजिट की। प्रथम दिन हम लोंगों ने कुपोषण पर बात की व लोंगों से परिचय बढाया। तत्पश्चात दूशरे दिन हमने कुपोषण के साथ–साथ जमीन के मुददे पर बात करना शुरू की तथा कहा कि यहॉ जमीन विक्रय के बाद पलायन की स्थिति में बच्चों के स्वास्थ्य व शिक्षा की क्या व्यवस्था होगी? तव लोंगों ने इस मुद्दे पर खुलकर बात करना शुरू की।

देवरी कलरउ के निवासी अनंतराम अहिरवार ने बताया कि जी.एम.आर. बुंदेलखंड एनर्जी प्राइवेट लिमिटड कंम्पनी जिसका ताल्लुक जर्मनी से है की यहॉ पर थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने की योजना है इस हेतु उन्हें लगभग 900 एकड़ भूमि की आवश्यकता है। इस उद्देश्य पूर्ति हेतु यह कंपनी शासकीय रेट जो 1 लाख 22 हजार प्रति एकड़ है से दुगना दाम अर्थात 2लाख50हजार रू प्रति एकड़ में जमीन खरीद रही है इसी ग्राम के निवासी हल्के विश्वकर्मा ने बताया कि गॉव में कम्पनी के एजेंटों द्वारा

रोजगार व स्वास्थ्य सुविधाओं की बात की जारही है तथा अन्य प्रकार के प्रलोभनोंकी बात भी कही जा रही है।

जव हमारे द्वारा इस प्रकार के आश्वासनों पर लिखित अनुबंध प्राप्त करने का प्रश्न करने पर ग्रमीणों ने बताया कि लिखित में कुछ नहीं दिया जारहा है केवल मौखिक रूप से कहा जारहा है।

आगे हमारे द्वारा प्रशासन से इस संबंध में संपर्क की बात पूछने पर ग्रामीणों ने जानकारी दी कि हम देवरी कलरउ व बमनउ के निवासी करीव 100 से अधिक की संख्या में इकटठा होकर जिला कलेक्टर के पास गये तव कलेक्टर के द्वारा इस वात की पुष्टि की गई कि वहॉ पावर प्लान्ट स्थापित हो रहा है तथा प्रशासन के साथ इस कंपनी का अनुबंध भी हुआ है साथ ही कलेक्टर के द्वारा कहा गया कि जो किसान जमीन नहीं देंगे उनकी जमीन का बाद में अधिग्रहण कर लिया जायेगा। आगे ग्रामीणों द्वारा अनुबंध की कॉपी मांगने पर कहा गया कि हम एक प्रति तहसीलदार को भेज चुके हैं आप वहॉ से प्राप्त कर सकते है परन्तु तहसीलदार से ऐसा कोई कागज प्राप्त नहीं हुआ।

स्थानीय प्रभुत्वशाली लोंगों द्वारा ग्रमीणों पर दबाव वनाने व एजेन्टों द्वारा प्रलोभन की वात कहे जाने के साथ–साथ तमिलनाडु के बीरलक्ष्मी फाउन्डेशन के द्वारा भी छोटे–छोटे अस्पताल खोले जारहे हैं जहॉ पर डॉक्टर्स के द्वारा इलाज के साथ– साथ लोंगों को जमीन विक्रय हेतु प्रोत्साहित किया जारहा है।

ग्रामीणों द्वारा वताया गया कि कोई स्थानीय नेता भी इस बात के विरोध में सामने नहीं आरहा है। बस एक वार भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष काकाजी आये उन्होंने भी जमीन वेचने का विरोध न करते हुए सही दामों में विक्रय की सलाह दी।

जो किसान जमीन विक्रय कर चुके हैं उनमे अशोक वंशकार, अनिल तिवारी, भज्जू अहिरवार व सुक्खी अहिरवार से हमारी मुलाकात हुई उन्होंने वताया कि जमीन दोगुने दाम में वेच कर हम संतुष्ट हैं कुछ ने कर्ज चुकाकर शेष पैसे से रोजगार धंधे की बात कही तो किसी ने अन्य स्थान पर जमीन खरीदने की बात कही।

जानकारी प्राप्त हुई कि इस कम्पनी के द्वारा दोनों गॉवों से करीव 30 लोंगों को एक्सपोजर विजिट हेतु 6 जून को बैल्लूर व चैन्नई ले जाया गया है जो 12 जून को बापस आयेंगे।

इसके साथ समाचार पत्रों में भी आये दिन प्रशासन की तरफ से न्यूज दी जारही है कि टीकमगड को पावर प्लांट की सौगात एवं तरह– तरह से तरक्की की वात भी कही जा रही है।

केवल बीजौर गॉव के निवासी अपनी जमीन नहीं वेच रहे हैं उनकी कुछ शर्तें हैं जैसे 5 लाख रू. प्रति एकड एवं प्लांट में नौकरी यदि शर्तों को न मानते हुए जवरदस्ती जमीन खरीदने या अधिग्रहण की कोशिष की तो बीजौर को भट्टा परसौल बनाने की बात कही।

जहॉ तक हमने जाना लोग जमीन विकय के विरोध में नहीं हैं वस उनकी कुछ शर्तें हैं फिर भी जमीन विकय के पीछे कुछ कारण निकलकर सामने आये जो निम्नानुसार हैं–

- दोगुना दाम प्राप्त करने का प्रलोभन
- रोजगार का प्रलोभन
- जमीन अधिग्रहण का भय
- कर्ज का बोझ
- प्रभुत्वशाली लोगों का दववा
- प्रशासन का दवाव

इस तरह सारी जानकारी से पता चला कि यह प्रशासन की मर्जी से हो रहा है तथा कोई स्थानीय नेता भी विरोध में सामन नहीं आरहा है एवं अधितर किसान भी इससे खुश हैं क्यों कि उन्हें दोगुनी कीमत तथा प्रलोभन मिल रहे हैं वस कुछ विरोध है तो शर्तों को न मानने पर।

गिरिराज शर्मा एवं राइट टू फूड टीम